referred to our Ministry. We have given our consent that it should be taken up for discussion during this session so that we shall get fresh ideas from hon. Members which should be useful for a proper re-appraisal of the Fourth Plan.

MR. SPEAKER : There have been already so many questions.

SHRI SAMAR GUHA : For relief and food of the Bangla Desh refugees, as per the note circulated by Rehabilitation Ministry.

MR. SPEAKER : All roads go to that !

SHRI SAMAR GUHA : About three thousand crores are required, but so far only Rs. 30 crores have been received from the foreign countries. I want to know whether as a result of the additional burden regarding food and relief relating to Bangla Desh refugees, our Plan will be reappraised and re-drafted. If not, we want to know how this provision will me met.

SHRI MOHAN DHARIA : At the time of the reappraisal the difficult situation created by the influx of refugees will no doubt be taken into consideration.

1965 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान जिन भारतीय नागरिकों की सम्पत्ति जब्त की गई थी उनको मुआवजा

*829. **श्री मूलचन्द डागा** : क्या **विदेश व्यापार** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन भारतीय नागरिकों को अब तक कोई मुआवजा दिया गया है जिनकी सम्पत्ति 1965 के भारत पाकिस्तान संघर्ष में जब्त कर ली गई थी ; और

(ख) यदि हां, तो उनको मुआवजे में कितनी कितनी राशि दी गई तथा किस किस तिथि को मुआवजा दिया गया ?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE (SHRI L. N. MISHRA) : (a) and (b). No, Sir. The Government of India have decided to give *ad-hoc* exgratia grants to Indian Nationals and Indian Companies whose properties had been seized by the Governmment of Pakistan during Indo-Pakistan Conflict of September, 1965. Full details of the claims duly supported by documentary evidence have been called for from the parties concerned. The payments will be made as and when the verification of the claims is completed.

श्री मूल चन्द डागा : 1965 से आज तक आप ने किसी को भी कम्पेन्सेशन दिया या नहीं दिया ?

श्री एल० एन० मिश्र : मैंने उत्तर दिया कि हाल ही में कार्यकारिणी का फैसला हुआ था कि किस तरह से दिया जाय। लगभग 6 हजार दावेदार हैं और उनकी मांग करीब करीब 109 करोड़ के लगभग है। हम लोग उसकी जांच करवा रहे हैं और जो पाकिस्तान सरकार या उन के नागरिकों की सम्पत्ति इस देश में है उसका मिलान करके और सारी बातें देखकर देने की बात होगी ?

श्री मूल चन्द डागा : जांच करने का आधार क्या है और आप के कम्पेन्सेशन देने का क्या आधार होगा ?

श्री एल० एन० मिश्र : उनको डाकूमेंट देने होंगे, पूरी तफसील देनी होगी। फिर कस्टोडियन के पास वह जायेगा। उसकी जांच होगी इसी साल तक उसकी अवधि है जब तक कि वह अपनी दरख्वास्त दे दें।

श्री एन० एन० पांडेय : क्या माननीय मंत्री जी बतायेंगे कि अब उनको कितना समय लगेगा इस सारे मामले को डिस्पोज आफ करने में ?

श्री एल० एन० मिश्र : यह अभी तो कहना कठिन है। जब दरख्वास्त देंगे तो देखा जायेगा।

श्री डी० एन० तिवारी : अध्यक्ष महोदय, अभी इस में दो बातें कही गई हैं—109 करोड़

रुपये के दावे हैं और पाकिस्तानी सम्पत्ति का मिलान करने के बाद दिया जायेगा। क्या मैं जान सकता हूं कि पाकिस्तानी सम्पत्ति का तखमीना किया गया है ? यदि किया गया है, तो कितनी है ? 6-7 वर्ष हो गये हैं, बहुत से दावेदार मर गए होंगे, उनके सम्बन्ध में क्या होगा ?

श्री एल० एन० मिश्र : इस बारे में मैरिट पर जाना होगा, अलग अलग दरख्वास्तें हैं, देखना होगा कि कौन उनके उत्तराधिकारी हैं, उसके बाद फैसला करना होगा। जहां तक पाकिस्तानी सम्पत्ति का सवाल है, उसका मूल्यांकन किया है, हमारे दावे 109 करोड़ रुपये के हैं, उसके मुकाबले वह 40-50 के भीतर ही रह जाती है, तुलनात्मक दृष्टि से पाकिस्तानी सम्पत्ति बहुत कम है।

Introduction of Commercials on Television

*831. SHRI G. VENKATSWAMY : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

(a) whether Government have taken a decision in regard to introducing commercials on Television ;

(b) if so, the nature of the decision taken ; and

(c) when this is likely to start ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI DHARAM BIR SINHA) : (a) No. Sir.

(b) and (b). Do not arise.

श्री जी० वेंकटस्वामी : क्या इस काम को किसी कामर्शल-एजेन्सी को देने का निश्चय हुआ है, अगर हुआ है तो क्या किसी फारेन-कोलाबोरेशन के साथ हुआ है ? अगर फारेन-कोलाबोरेशन के साथ हुआ है तो...

अध्यक्ष महोदय : वह कह चुके हैं "नो सर", तब यह इसमें से कैसे निकलेगा।

SHRI PILOO MODY : When they say 'No', they really mean 'Yes.'

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRIMATI NANDINI SATPATHY) : That may be applicable only to the hon. Member.

श्री जी० वेंकटस्वामी : क्यों नहीं हुआ ?

अध्यक्ष महोदय : बोलिये, ऐसे ही नहीं हुआ।

Purchase of Indian Films by Finland

*832. SHRI M. SATYANARAYAN RAO : Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether Finland has offered to buy Indian films for exhibition through her television net-work ;

(b) if so, the total number of films to be purchased :

(c) the cost of films ; and

(d) the mode of payment ?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE (SHRI L. N. MISHRA) : (a) to (d). A statement is laid on the Table of the the House.

Statement

(a) and (b). Ten films have been selected by the Finnish Broadcasting Company/TV, Helsinki, for exhibiting on its TV network in Finland.

(c) and (d). US $1300 for each film will be paid for first telecasting and US $650 for the second telecasting and the payment will be made in free foreign exchange through the normal banking channels.

SHRI M. SATYANARAYANA RAO : From the statement it appears that the films have only been selected. My question is whether they have been bought.